Steps to ensure regular supply of Hank yarn

174. DR. MOHD. HASHIM KIDWAI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are the details of the steps taken by Government to ensure regular supply of hank yarn to the weavers; and

(b) what are the details of the steps taken by the Central Government to check rise in the price of yarn and to what extent these steps have been a success?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): (a) In order to ensure regular supply of hank yarn to handloom sector at reasonable prices the Central Government is implementing the following schemes:—

(i) Hank Yarn Obligation Scheme.

(ii) Loan assistance to National Co-operative Development Corporation for setting up of new Weavers' Co-operative Spinning Mills and expansion of existing units.

(iii) Yarn supply operations of the National Handloom Development Corporation.

State Governments have also been advised to set up Yarn Price Fixation Committees for supply of yarn at reasonable prices to the handloom sector from Cooperative Spinning Mills/State Sector Mills.

(b) In order to check the recent hike in the prices of yarn which is basically due to the rise in prices of raw cotton, Government have taken the following corrective measures:—

(i) The export of staple cotton has been suspended.

(ii) Import of cotton against export of cotton yarn/cotton fabrics and made-ups on Advance License basis, has been permitted.

(iii) Export of hank yarn upto 60s counts has been stopped.

With the above measures, the cotton yarn prices have already started showing a downword trend.

शवों के प्रवाहित किये जाने के कारण गंगा नदी के जल का दूषित होना

175. **श्री अश्विनी कुमार** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 2 जनवरी, 1988 के हिन्दुस्तान टाइम्स में प्रकाशित इस आशय के समाचार की ओर दिलाया गया है कि गंगा नदी का पानी अत्यन्त दूषित हो गया है क्योंकि इसमें प्रतिदिन सैकड़ों अधजले अथवा बिना जलाये गये शव फेंक दिये जाते हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं ; और

(ग) पटना और वाराणसी में गंगा नदी से सप्लाई किए जाने वाले पेय जल की शुद्धता को बनाये रखने के लिए क्या उपाय किये गए है अथवा किए जाने का विचार है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जैड० आर० अंसारी): (क) और (ख) गंगा नदी में कुछ स्थानों पर अधजले, बिना जलाए गए शवों के फेंकने की समस्या से सरकार अवगत है जिससे नदी का पानी प्रदूषित होता है। सामाजिक रिवाजों और धार्मिक प्रथाओं के अलावा ऐसा होने का एक प्रमुख कारण यह है कि दाह संस्कार के लिए जलावन लकड़ी बड़ी महंगी है और उसका अभाव है। इसलिए गंगा कार्य योजना के अंतर्गत सरकार ने हरिद्वार, कानपुर, इलाहाबाद, पटना, मुंगेर, भागलपुर, बहरामपुर, नभद्वीप और कलकत्ता महानगरीय जिला के नदी के किनारों पर स्थित विभिन्न भागों में 28 विद्युत शवदाह गृहों के निर्माण-कार्य को मंजूर किया है ताकि लोगों